tutkrh; {k= e dk;Zjr v/;kidk d eY;

Mk- अवधेश आढ़ा
प्राचार्य, श्री रधुनाथ विश्नोई मेमोरियल कॉलेज, रानीवाडा,
जालोर, राजस्थान
Email - avdharha@gmail.com

Lkkf{kIr lkj % इस शोध में जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य पर शोध किया गया जिसमें पश्चिमी राजस्थान के मेंवाड और वागड प्रांत के क्रमशः जिले उदयपुर, चित्तौड और डुंगरपुर और बांसवाडा परिसीमन के रूप में लिए गए। तथा न्यादर्श 300 शिक्षकों का रहा। इस शोध में पाया कि जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य सैद्धान्तिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, सौन्दर्यात्मक मूल्य, सामाजिक मूल्य, राजनैतिक मूल्य, धार्मिक मूल्य। औसत श्रेणी के है ।

ey 'kCn : जनजाति, मूल्य, कार्यरत, वागड, मेवाड।

eY; %

मूल्य शब्द से तात्पर्य संस्कृत के इष्ट से हैं। अर्थात् जो इच्छित् हैं, वहीं मूल्य हैं। मूल्य के विचार, आदर्श एवं सम्प्रत्यय या धारणाएँ हैं जिनकी मनुष्य इच्छा करता हैं और जिनको पाने के लिए वह संघर्ष करता हैं। मूल्य व आकांक्षीय उपलब्धियाँ हैं जो मानव प्रयासों के लिए प्रकाश स्तम्भ का कार्य करते थे। मूल्य अमूर्त होते हैं। मूल्य व्यक्ति के स्वयं में झॉकने का दर्पण एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए पथ–प्रदर्शक का कार्य करते हैं।

मूल्य शब्द का अलग–अलग वैज्ञानिको ने अलग–अलग स्थितियों में अलग अर्थो में प्रयोग किया हैं। गणित में मूल्य का अर्थ बीज–गणितीय पद से हैं। भौतिकी में पदार्थ का मूल्य उसकी अतः वस्तु का किसी पारस्परिक पैमाने पर किया जाने वाला परिमाणात्मक (संख्यात्मक) आय हैं। दैनिक जीवन में मूल्य से तात्पर्य यह हैं। कि कोई व्यक्ति मनोगत स्तर पर किसी अच्छे विचार का सिद्धान्त को कितना महत्व प्रदान करता हैं।

इस तरह मूल्य का सम्बन्ध जीवन के लिए मूल्यवान महत्वपूर्ण या शुभ समझी जाने वाली बातों के बारे में व्यक्ति के सिद्धान्तों या मानदण्ड़ों से होता हैं। मूल्य के सम्बन्ध में विद्धानों ने इसकी परिभाषा अलग – अलग दृष्टिकोण के आधार पर दी हैं।

1. भारतीय दृष्टिकोण से – ज्ञान के प्रकाश में की गई इच्छा, तुष्टि या लक्ष्य – प्राप्ति मूल्य कहलाती हैं। अतः हमारे यहाँ मानवोचित जीवन–लक्ष्यों को ही मूल्यों की संख्या दी जाती हैं।
2. पाश्चात्य दृष्टिकोण से – ब्राईट मेंन के अनुसार मूल्य से हमारा आशय किसी पसन्द पुरस्कार वांच्छित पहुँच या आनन्द से हैं। किसी क्रिया या वांछित वस्तु का वास्तविक अनुभवों पर आनन्द प्राप्त करना ही मूल्य समझा जाता हैं।
3. दार्शनिक दृष्टिकोण से – डब्लयु एक. डर्बन के अनुसार – मूल्य वह हैं जो मानव इच्छाओं की पुष्टि करें।
   (क) वी. एस. सन्याल – मूल्य आर्थिक रूप से भाव या तर्क से सम्बन्धित होते हैं, जो स्थिर प्रकृति के होते हैं।
4. मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से –
   (क) एवरेस्ट के अनुसार – ''मूल्य एक भावना हैं, जो क्रियाओं से निर्मित होती हैं।
   (ख) कोहन के अनुसार – ''मूल्य इच्छाओं के वे प्रत्यय हैं, जो चयनात्मक व्यवहार के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। ये एक विशेष प्रकार की अभिवृत्तियाँ भी होती हैं। जो प्रतिमानों के रूप में कार्य करती हैं। तथा जिसके द्वारा निर्णयों का मूल्याकंन होता हैं।
5. समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से – जोन से काने – इन्होनें मूल्यों को वे आदर्श, विश्वास तथा मानक माना हैं जिन्हें समाज या समाज–बहुमत ग्रहण किये होता हैं।

उपर्युक्त सभी दृष्टिकोणों से मूल्यों का अर्थ लगाएँ तो सांराश रूप में हम यह कह सकते हैं कि मूल्य जीवन जीने की कला हैं। मूल्य का सम्बन्ध उन गुणों से हैं जिन पर किसी संस्था अथवा समाज की महत्ता वांछनीयता अथवा उपयोगिता का दारोमदार होता हैं। इस तरफ मूल्य का सम्बन्ध जीवन के लिए मूल्यवान महत्वपूर्ण या शुभ समझी जाने वाली बातों के बारे में व्यक्ति के सिद्धान्तों या मानदण्डों से होता हैं।

मूल्यों के प्रकार – विभिन्न विद्धानो ने विभिन्न धारणाओं को ध्यान में रखते हुए मूल्यों का वर्गीकरण इस प्रकार किया हैं।

(1) भारतीय अवधारणा – भारतीय अवधारणा के अनुसार मूल्य चार प्रकार के बताए हैं जिन्हें दो भागों में बाँटा गया हैं।
(1) लौकिक मूल्य – (1) अर्थ (2) काम
(2) आध्यात्मिक मूल्य–(1) धर्म (2) मोक्ष

मूल्य अनेक प्रकार के हो सकते हैं।
(1) सैद्धान्तिक (2) आर्थिक (3) सौन्दर्यात्मक (4) सामाजिक (5) राजनीतिक (6) धार्मिक
प्रस्तुत शोध में निम्न मूल्यो का अध्ययन किया गया हैं ।

(अ) सैद्धान्तिक मूल्य : सैद्धान्तिक मूल्य का अर्थ सत्य की खोज में प्रबन्ध होना तथा प्रयोगात्मक, विवेचनात्मक, विवेकपूर्ण, तथा बौद्धिक तरीके से कार्य करना।

(ब) आर्थिक मूल्य : इस विचार के प्रति आस्था रखने वालों व्यक्ति आदि कों अधिक महत्व देते हैं व भौतिक आवश्यकताओं को ही सर्वोपरि मानते हैं। ऐसे व्यक्ति धन–संग्रह में विशेष रूचि लेते हैं।
(स) सौन्दर्यात्मक मूल्य : सौन्दर्यात्मक मूल्यों में सत्य की अपेक्षा सौन्दर्य को अधिक महत्व दिया जाता हैं इसके अन्तर्गत कला, सगीत, नृत्य, सौन्दर्य आदि क्रिया – कलापों को महत्व दिया जाता हैं। तथा सौन्दर्यात्मक रूचि रखने वाले व्यक्ति इन्हीं बातों की जानकारी रखते हैं तथा पसन्द करते हैं।

(द) सामाजिक मूल्य : सामाजिक मूल्य किसी समाज को उसका विशिष्ट चरित्र प्रदान करता हैं। कोई भी समाज अपने विशेष सामाजिक मूल्यों से ही जाना जाता हैं। ये ही मूल्य उस समाज के सदस्यों के जीवन आचरण के मानदण्डों के आधार बनते हैं। किसी विशेष कृत्य या व्यवहार की वांछनीयता और सवांछनीयता के मानकों का निर्धारण समाज में प्रचलित समाजिक मूल्यों से होता हैं। ये मूल्य विचारों एवं विश्वासों में व्यक्त होते हैं। जैसे सत्यम, शिवम्, सुन्दरम् आदि सामाजिक मूल्य के उदाहरण हैं। इन्हें निरपेक्ष मूल्य भी कहा जाता हैं। सामाजिक परिस्थितियॉ मनुष्य के दूरदर्शितापूर्ण एवं बुद्धिवादी खेमे को प्रभावित करती हैं। व्यक्ति समाज की न्यूनतम इकाई हैं। व्यक्तियों से ही समाज का और समाज से व्यक्तियों का अस्तित्व अक्षुण रहता हैं। व्यक्तियों के नैतिक मूल्यों का समवाय ही सामाजिक मूल्यों की संरचना में सहायक होता हैं।

एक शिक्षक में सामाजिक मूल्यों के अन्तर्गत मानव जाति के लिए प्रेम और सेवा भाव, जिसमें परोपकार का सिद्धान्त और प्रेम का भाव भी हो अपेक्षित हैं।

(य) राजनीतिक मूल्य : राजनीतिक मूल्य के प्रति आस्था रखने वाला व्यक्ति अपने स्वयं के अधिकार (शक्ति) अपने प्रभाव व अपने नाम के लिए मूख्य रूप से रूचि दिखाता हैं।

(र) धार्मिक मूल्य : ऐसे विचार और व्यवहार जो आध्यात्मिकता के क्षेत्र में व्यक्ति को मानव कल्याण के लिए प्रेरित करें, वे आध्यात्मिक मूल्य, धार्मिक मूल्य कहलाते हैं। वे व्यक्ति नैतिकता के पक्षधर होते हैं। और प्रत्येक परिस्थिति में दैविक शक्ति का ही अवलोकन करते हैं।

leL;k dFku% जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्यों का अध्ययन ।

उद्देश्य% जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्यों का अध्ययन करना ।

ifjdYiuk,%
1 जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य औसत होते है ।
2 मेवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है ।

Ikfj lheu%
लिंगः पुरूष एवं महिला
विद्यालय : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय
राज्य : राजस्थान
मेवाडः उदयपुर, चित्तौडगढ़
वागड़ः डुंगरपुर, बांसवाडा

क्र.म.सं.	क्षेत्र	जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों संख्या
1	मेवाड	1 उदयपुर 75, चित्तौड 75
2	वागड़	2 डुंगरपुर 75, बांसवाडा 75

fof/k lo{k.k fof/k

उपकरण : अध्यापक मूल्य मापनी डॉ. श्री मती हरभजन एल.सिंह एवं डॉ. एस.पी. अहलूवालिया द्वारा रचित मानकी कृत उपकरण है । यह परीक्षण विश्वसनीय एवं वैध है जिसकों जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का मूल्यों का मापन करने के लिए प्रयुक्त किया गया है ।

lkf[;dh% मध्यमान ,प्रमाप विचलन एवं टी परीक्षण ।

जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य का (TVI) से प्राप्त मध्यमान, श्रेणी तथा प्रमापविचलन (N=300)

आयाम	मध्यमान	श्रेणी	S.D.
सैद्धान्तिक मूल्य	86.68	औसत (उच्च की ओर)	14.01
आर्थिक मूल्य	90.12	उच्च	13.96
सौन्दर्यात्मक मूल्य	86.5	औसत (उच्च की ओर)	14.56
सामाजिक मूल्य	87.57	उच्च	15.62
राजनीतिक मूल्य	88.07	उच्च	13.80
धार्मिक मूल्य	86.04	औसत (उच्च की ओर)	15.35

1. सैद्धान्तिक मूल्य : जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सैद्धान्तिक मूल्य का मध्यमान 86.68 हैं। तथा प्रमाप विचलन 14.01 हैं जो कि औसत से उच्च की ओर मूल्य को प्रदर्शित करता हैं । अर्थात जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापक सत्य की खोज, अनुभविक, समालोचनात्मक बौद्धिक उपागम,में औसत रूचि रखते हैं।

2. आर्थिक मूल्यः जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के आर्थिक मूल्य का मध्यमान 90.12 ; तथा प्रमाप विचलन 13. 96 हैं। । जो कि उच्च श्रेणी मूल्य को प्रदर्शित करता हैं इस प्रकार जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य उच्च हैं तथा वे आर्थिक सन्दर्भो में उपयोगी एवं व्यावहारिक मूल्यों को उच्च महत्व प्रदान करते हैं।

3. सौन्दर्यात्मक मूल्य : जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का मध्यमान 86॰5 हैं जो कि औसत से उच्च की श्रेणी मूल्य को प्रदर्शित करता हैं तथा प्रमाप विचलन 14॰56 हैं। जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का मध्यमान औसत से उच्च की ओर स्थिति को दर्शाता हैं। अर्थात् शिक्षको की सौन्दर्यात्मक मूल्य ललित कला व संगीत में रूचि औसत से अधिक हैं।

4. सामाजिक मूल्य : जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सामाजिक मूल्य का मध्यमान 87॰57 तथा प्रमाप विचलन 15॰62 हैं। जो कि उच्च श्रेणी के मूल्य को प्रदर्शित करता हैं। तथा सभी में समाज के लिये सेवा भावना अधिक हैं।

5. राजनीतिक मूल्य : जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के राजनीतिक' मूल्य का मध्यमान 88॰07 हैं तथा प्रमाप विचलन 13॰80 हैं। जो कि उच्च श्रेणी के मूल्य को प्रदर्शित करता हैं अर्थात् वे व्यक्तिगत प्रभाव को ज्यादा अहमीयत देते हैं ।

6. धार्मिक मूल्य : जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के धार्मिक' मूल्य का मध्यमान 86॰04 हैं तथा प्रमाप विचलन 15॰35 हैं जो कि ''औसत के उच्च की ओर'' मूल्य को दर्शाता हैं। अर्थात् शिक्षकों की ईश्वर तथा धार्मिक क्रिया कलापों में आस्था औसत से उच्च की ओर है ।

eokM ,o okxM tutkrh; {ks= esa dk;Zjr v/;kidksa ds eY; %

मेवाड़ एवम् वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का मूल्य ज्ञात करने हेतु अध्यापक मूल्य प्रश्नावली Teacher vaules Inventory (TVI) से प्राप्त सभी छः आयामों के प्राप्तांको का मध्यमान एवम् प्रमाप विचलन, ज्ञात करने के पश्चात् दोनों समूहों के मूल्य के प्रत्येक आयामों के मध्य अन्तर कि सार्थकता (0.05 विश्वास स्तर पर) ज्ञात करने हेतु दोनों समूहों के मध्यमानों का t मूल्य भी ज्ञात किया गया। जो निम्न सारणी में है ।

मेवाड़ एवम् वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य का (TVI) से प्राप्त छः आयामों का मध्यमान, प्रमाप विचलन, t मूल्य तथा अन्तर की सार्थकता।

क्र. सं.	आयाम	मेवाड़ N = 150			बागड़ N = 150			t मूल्य 0.05 विश्वास स्तर पर	
		मध्यमान	श्रेणी	प्रमाप विचलन	मध्यमान	श्रेणी	प्रमाप विचलन		
01.	सैद्वान्तिक	88.6	उच्च	14.26	84.76	औसत	13.49	1.82	असार्थक
02.	आर्थिक	89.08	उच्च	14.98	91.17	उच्च	12.78	1.00	असार्थक
03.	सौन्दर्यात्क	87.54	उच्च	17.02	85.46	औसत	11.50	0.94	असार्थक
04.	समाजिक	87.91	उच्च	16.39	87.24	औसत से उच्च की ओर	14.812	0.28	असार्थक
05.	राजनीतिक	87.04	औसत	15.06	89.10	उच्च	12.33	0.99	असार्थक
06.	धार्मिक	84.82	औसत	15.53	87.26	औसत से उच्च की ओर	15.080	1.04	असार्थक

1 सैद्वान्तिक मूल्य : मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सैद्धान्तिक मूल्य का मध्यमान 88.6 तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य के आयाम ''सैद्धान्तिक मूल्य'' का मध्यमान 84.76 हैं।प्राप्त प्राप्तांकों के अनुसार मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य के आयाम सैद्धान्तिक का मध्यमान उच्च श्रेणी का है अर्थात सत्य की खोज दोषदर्शी आदि में मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापक अधिक रुचि लेते है । तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सैद्धान्तिक मूल्य का प्राप्त मध्यमान औसत श्रेणी का है अर्थात वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापक सत्य की खोज, दोषदर्शी आदि में न तो ज्यादा रुचि लेते है और ना ही कम रुचि लेते है अर्थात औसत रुचि लेते है ।

बहुआयामी मूल्य परीक्षण सूची परीक्षण से मेवाड़ एवम् वागड़ के जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्यों के आयाम सैद्धान्तिक मूल्य के मध्यमानों का प्रमाप विचलन क्रमशः 14.26 तथा 13.49 हैं तथा t मूल्य 1.82 हैं जो कि 0.05 विश्वास स्तर पर मेवाड़ एवम् वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सैद्धान्तिक मूल्य के मध्यमानों का t मूल्य प्राप्त किया गया जो कि 0.05 विश्वास स्तर के मूल्य से 1.97से कम हैं। अतः 0.05 विश्वास स्तर पर मेवाड़ एवम् वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य ''आयाम सैद्धान्तिक'' में सार्थक अन्तर नहीं हैं।

2. आर्थिक मूल्य : मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का मूल्य आयाम ''आर्थिक'' का मध्यमान 89.08 तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का मूल्य आयाम आर्थिक का मध्यमान 91.17 हैं।

प्राप्त मध्यमान के अनुसार मेवाड़ एवम् वागड़ दोनों समूहों के अध्यापकों का आर्थिक मूल्य उच्च स्तर का हैं। अर्थात् दोनों समूहों के अध्यापक आर्थिक सन्दर्भो में उपयोग एवम् व्यवहारिक मूल्यों को उच्च महत्व प्रदान करते हैं। प्राप्त मध्यमानों का प्रमाप विचलन क्रमशः 14.98 तथा 12.98 तथा प्राप्त t मूल्य 1.007 हैं जो कि दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर नहीं दर्शाता हैं। अतः मेवाड़ तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के आर्थिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

3.सौन्दर्यात्मक मूल्य : मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के समूह का मध्यमान 87.54 हैं जो सारणी के अनुसार मेवाड़ क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य को प्रदर्शित करता हैं तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य का मध्यमान 85.46 हैं जो औसत सौन्दर्यात्मक मूल्य को दर्शाता हैं।

मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का सौन्दर्यात्मक मूल्य उच्च हैं अर्थात् अध्यापक सौन्दर्य व्यवहार, कला ,संगीत, ललित कला में उच्च रुचि रखते हैं। तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का सौन्दर्यात्मक मूल्य औसत हैं ।अर्थात् वागड़ क्षेत्र के अध्यापक सौन्दर्य व्यवहार, कला, संगीत, ललितकला, में औसत रुचि रखते हैं ।

परीक्षण के मध्यमानों का प्रमापविचलन क्रमश; 17.02 तथा 11.50 हैं । तथा t मूल्य 0.94 हैं जो कि 0.50 विश्वास स्तर पर मेंवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सौन्दर्यात्मक मूल्य के प्राप्त मध्यमानों का t मूल्य 0.94 हैं जो की 0.05 विश्वास स्तर के मूल्य 1.97 से कम हैं । अतः मेवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सौन्दर्यात्मक मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं हैं ।

4. सामाजिक मूल्य : मूल्य परीक्षण सूचि का 4 धटक सामाजिक मूल्य हैं जिसके प्राप्तांको के आधार पर मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के समूह का मध्यमान 87.91 तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के समूह का मध्यमान 87.24 हैं । प्राप्त मध्यमानों के आधार पर मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का मूल्य उच्च हैं अर्थात् वे लोगों को प्यार व सेवा परोपकार की भावना एवम् विश्व प्रेम में ज्यादा रुचि रखते हैं तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का मूल्य औसत से उच्च की और हैं अतः वे लोगो को प्यार –सेवा, परोपकार की भावना एवं विश्व प्रेम में औसत से ज्यादा रुचि रखते हैं ।

मेवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सामाजिक मूल्य के प्राप्तांको का प्रमाप विचलन क्रमशः 16.39 तथा 14.81 तथा t मूल्य 0.28 हैं जो कि 0.05 विश्वास स्तर 1.97 से कम हैं अतः मेवाड़ एव वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सामाजिक मूल्य में कोई अन्तर नहीं हैं ।

5. राजनीतिक मूल्य : मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य आयाम राजनीतिक का मध्यमान 87.04 तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के राजनीतिक मूल्य का मध्यमान 89.10 हैं । प्राप्तांकों के आधार पर मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का राजनीतिक मूल्य औसत से उच्च की और हैं। अर्थात् वे व्यक्तिगत प्रभाव, कीर्ति, को अधिक महत्व प्रदान करते हैं ।

मेवाड़ एवम् वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सामाजिक मूल्य के प्राप्ताकों का प्रमाप विचलन क्रमश; 15.06 तथा 12.33 तथा टी मूल्य 0.99 हैं । जो की 0.05 विश्वास स्तर पर 1.97 से कम हैं । अत; मेवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के राजनीतिक मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

6 धार्मिक मूल्य : मूल्य परीक्षण सूची का धटक धार्मिक मूल्य जिसके प्राप्ताकों के आधार पर मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के समूह का मध्यमान 84.82 हैं । तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के धार्मिक मूल्य का मध्यमान 87.26 हैं। प्राप्त मध्यमान के अनुसार मेवाड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का धार्मिक मूल्य औसत हैं । तथा वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों का धार्मिक मूल्य औसत से उच्च की और हैं। प्राप्त मध्यमानों का t मूल्य 1.045 प्राप्त हुआ गया जो 0.05 के विश्वास स्तर के मूल्य 1.97 से कम हैं अत; .05 विश्वास स्तर पर मेवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्याापकों के धार्मिक मूल्यों में अन्तर सार्थक नहीं पाया गया ।

fu"d"k %

जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सैद्धान्तिक, सौन्दर्यात्मक, एवं धार्मिक मूल्य औसत हैं। तथा आार्थिक, सामाजिक, एवं राजनीतिक मूल्य उच्च श्रेणी के हैं। जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य औसत होते हैं। मेवाड़ एवं वागड़ क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्यों में सार्थक अन्तर नहीं हैं। अतः मेंवाड़ एवं वागड़ जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता हैं। प्रस्तुत शोध ने अपने उद्देश्य को प्राप्त किया हैं। सैद्धान्तिक में मेवाड़ एवम् वागड़ के जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्यों के छः आयामों का मध्यमान, प्रमापविचलन् तथा t मूल्य के साथ दिया गया हैं, जो दोनों समूहों के मध्य मध्यमानो के अन्तर की सार्थकता तथा असार्थकता को प्रकट करता हैं। दोनों समूहों के मध्य अन्तर की असार्थकता मूल्य के सभी आयामों में पाई गई। जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के मूल्य औसत होंते है ।

प्राप्त परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के सैद्धान्तिक, सौन्दर्यात्मक एवं धार्मिक मूल्य औसत हैं तथा आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक मूल्य उच्च हैं अतः यह परिकल्पना आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती हैं।

lUnHkZ xzUFk%

पुस्तके (Books)

1. Bar Scates & Goods (1941) - Methodalogy of Education Research New York Apptication Conturary Gobts.
2. Best, J.W. (1963), "Research in Education New York Prenticetfall, PP. 108
3. Best J.W. (1969), Elements of EducationalResearch New York Prentice Hall, ZNC.
4. भटनागर आर. पीभटनागर, मिनाक्षी 2004, "शिक्षा अनुसंधान"इन्टरनेशल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ.
5. भटट डॉ. राकेश, "जनजातिय उद्यमिता का विकास"हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर
6. ढौदियाल एवं फाटक, शैक्षिक अनुसंधान का विद्याशास्त्र राजस्थानहिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
7. चित्तौडा शशि 1995, "आदिवासी किशोर विद्यार्थी हिमांशु"पब्लिकेशन्स, उदयपुर.
8. गुप्ता, डॉ. एस. पी., सांख्यिकीय विधियॉ शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद.
9. पंचोली नलिनी (1995), पुस्तकालय एवं आदिवासीशिव पब्लिकर्श डिस्ट्रीब्यूटर्स, उदयपुर.

10. कौल लोकेश 1998, शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., नई दिल्ली.
11. माथुर एस. एस. (1981), शिक्षा मनोविज्ञान,विनोद पुस्तक मंदिर आगरा.
12. सिन्हा, एच सी, "शैक्षिक अनुसंधान"विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि., नई दिल्ली.
13. सुख्या कौर मेहरोत्रा(1984), "शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व"विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.
14. व्यास, सत्यनारायण, जनजातिय लोकगीत एक अध्ययन अंकुर प्रकाशन, उदयपुर.
15. गैरेट ई. हैनरी (2002), शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी केप्रयोग कल्याणी पब्लिकशर्स, नई दिल्ली
16. Good C.V. (1969), Introduction to Educatgional Research New York Appleton Century Craft No. 1.
17 .हाईमेन जी. डब्ल्यू (1941) "Educational Psychology" New York, Tohn Wiley and Sons Ine.
18. हर्लोक ई.बी (1983)"Child development" Me Grow Idillpublishing, New Delhi.
19. जायसवाला एस आर 1967,"शिक्षा मनोविज्ञान कोश" दिल्ली राजकमल प्रकाश.
20. जॉडर्न, एम.ए. (1953), " शिक्षा मे मापन" न्यूयार्क मैकग्राव बुककम्पनी.
21. कोठारी सी आर 1985, शोध पद्धति विधियां और तकनीकनई दिल्ली, वेली ईस्टर्न प्रा. लि.
22. कपिल एच के (1984), " अनुसंधान विधियां हरप्रसाद भार्गव".
23. कर्लिजर, एफ (1973), "Foundations of Behaviovral Research " Holt.
24. माथुर, एस. एस. (1985), "मनोविज्ञान और शिक्षा" आगरा विनोद पुस्तकमन्दिर.
25. मंगला, एस के 1985, "शिक्षा मनोविज्ञान" दिल्ली रामपाल प्रकाश.
26. मूर डब्ल्यू ई 1965, "Social Change- New Dehli Practice Idal of India".
27. पाला एस के (1969) Personality Study of Engg, Law med and Teacher Training student Allahabad United Publisher.
28. पटेल, एस एवस एवं लूला "Nand Book jof this is writhing" BJaroda Acharya Book Dept.
29. फिल्म एवं वर्णन माथुर "Personality Assessm,ent - A critical survey".
30. विसर मेन डब्ल्यू 1975, Research Method in Education peacock Publisher.
31. शर्मा, आर एन 1979, नीतिशास्त्र की रूपरेखा, मीरूत केदार नाथरामनाथ
32. बघेला एच एस 1985,"Education and Indian Society" Agra ider Prasad Bhargava Larachighat.

fo'o 'kCn dk"k %

1. Dissertation Abstracts International Vol. 68, no 7 Janvary 2005.
2. Dissertation Abstracts International Vol. 67 no 10 April 2007.
3. Dissertation Abstracts International Vol. 68 no 4 October 2008.
4. Dissertation Abstracts International Vol. 68 no 5 November 2009.
5. Dissertation Abstracts International Vol. 68 no 6 December 2007.
6. Verma S.k. 1995 Oxford English-Hindi Dictionary Fifth Edition, New Delhi, Oxford University press.
7. Wikiepedia, The free Encyclopedia.
8. Buch M.B. "Third survey of Researy in Education" National Concil of Educational Research and Training (1978-82).
9. Buch, M.b. Fith Survey of Research in Education N.C.E.R.T. 1988-92.